भारत सरकार
ग्रामीण विकास मंत्रालय
ग्रामीण विकास विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 1479
(09 दिसम्बर, 2025 को उत्तर दिए जाने के लिए)

महाराष्ट्र में ग्रामीण सम्पर्क

1479. श्री बाल्या मामा सुरेश गोपीनाथ म्हात्रे:

क्या **ग्रामीण विकास** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:
(क) ग्रामीण सम्पर्क में सुधार हेतु प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना- II (पीएमजीएसवाई-II) के अन्तर्गत हाल ही में स्वीकृत परियोजनाओं का महाराष्ट्र राज्य सहित राज्य-वार ब्यौरा क्या है;
(ख) इन परियोजनाओं से दूरदराज के क्षेत्रों में शिक्षा , स्वास्थ्य सेवाओं और बाजारों तक पहुंच में किस प्रकार सुधार होने की आशा है;

(ग) क्या ये परियोजनाएं पर्यावरण क्षेत्र के लिए क्रियान्वित की जा रही हैं ताकि सतत् विकास सुनिश्चित किया जा सके;

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी राज्य-वार ब्यौरा क्या है;

(ङ) क्या पीएमजीएसवाई-II के अंतर्गत बेहतर सम्पर्क से व्यापार , वाणिज्य और अंतर-राज्यीय आवागमन को बढ़ावा मिलने की संभावना है; और

(च) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
ग्रामीण विकास राज्य मंत्री
(श्री कमलेश पासवान)

(क) और (ख) प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना-II (पीएमजीएसवाई-II) को मई, 2013 में शुरू किया गया था और इसमें मौजूदा 50,000 किलोमीटर के ग्रामीण सड़क नेटवर्क के सुदृढीकरण की परिकल्पना की गई है ताकि लोगों , वस्तुओं और सेवाओं के लिए परिवहन सेवाओं के प्रदाता के रूप में ग्रामीण सड़क नेटवर्क की समग्र दक्षता में सुधार किया जा सके। इसका उद्देश्य मौजूदा चयनित ग्रामीण सड़कों का उनकी आर्थिक क्षमता और ग्रामीण बाज़ार केंद्रों तथा ग्रामीण हब के विकास को सुविधाजनक बनाने में उनकी भूमिका के आधार पर उनका उन्नयन करना है। पीएमजीएसवाई -II के तहत विभिन्न राज्यों को कुल 49,795 किलोमीटर सड़क की लंबाई स्वीकृत की गई है और महाराष्ट्र राज्य को 2,619 किलोमीटर

सड़क की लंबाई स्वीकृत की गई है। पीएमजीएसवाई के विभिन्न घटकों के तहत महाराष्ट्र राज्य सहित राज्य-वार स्वीकृत सड़कों का ब्यौरा कार्यक्रम की वेबसाइट ***https://pmgsy.dord.gov.in/ => progress monitoring => State MPR Abstract Report*** पर देखा जा सकता है।

पीएमजीएसवाई सड़कों ने शिक्षा और स्वास्थ्य देखभाल सुविधाओं तक पहुँच बढ़ाई है जिससे कृषि और गैर-कृषि दोनों क्षेत्रों में रोज़गार सृजन में सहायता मिली है , किसानों को बेहतर कृषि मूल्य प्राप्त करने में सहायता जैसे अनेक लाभ हुए हैं। विश्व बैंक , आईआईएम अहमदाबाद, बीआईटीएस-पिलानी, आईएलओ और नीति आयोग द्वारा प्रभाव मूल्यांकन अध्ययन किए गए हैं जो पीएमजीएसवाई सड़कों के कारण हुए सामाजिक-आर्थिक परिणाम सुधारों की व्याख्या करते हैं।

(ग) और (घ) पीएमजीएसवाई पूरे देश में पर्यावरण-संवेदनशील और सतत निर्माण पद्धतियों को अपनाने को बढ़ावा देती है। पीएमजीएसवाई के तहत सड़कें पारिस्थितिक प्रभाव को कम करने और दीर्घकालिक स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए स्थानीय रूप से उपलब्ध सामग्री और पर्यावरण अनुकूल प्रौद्योगिकियों का उपयोग करके बनाई जाती हैं। यह कार्यक्रम हरित और गैर-पारंपरिक प्रौद्योगिकियों जैसे कोल्ड मिक्स बिटुमेन, अपशिष्ट प्लास्टिक, सेल-फिल्ड कंक्रीट, और पैनल्ड सीमेंट कंक्रीट के उपयोग को प्रोत्साहित करता है। ये प्रौद्योगिकियाँ ऊर्जा-गहन सामग्रियों पर निर्भरता कम करने , ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करने , और पर्यावरण क्षरण को न्यूनतम करने में मदद करती हैं। ब्यौरा **अनुबंध** में दिया गया है।

(ङ) और (च) उन्नत हुए ग्रामीण सड़क नेटवर्क का आवश्यक सेवाओं तक पहुँच पर एक महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ा है। इसने बाज़ारों तक माल के आसान परिवहन को सुविधाजनक बनाकर ग्रामीण अर्थव्यवस्थाओं को सुदृढ़ करते हुए स्वास्थ्य देखभाल सुविधाओं तक तेज़ी से पहुँच को सक्षम बनाया है, स्कूलों तक पहुँच में सुधार किया है, और स्कूल छोड़ने की दर को कम किया है। इसके अतिरिक्त, बढ़ी हुई संपर्कता ने आर्थिक विकास, व्यापार और रोज़गार को बढ़ावा दिया है। इस योजना ने दूरदराज के क्षेत्रों को ग्रामीण कृषि बाज़ारों (ग्राम) , उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों और अस्पतालों तथा ऐसे अन्य सार्वजनिक प्रतिष्ठानों से जोड़कर, व्यापार को बढ़ावा दिया, निर्माण और रखरखाव की नौकरियों के माध्यम से रोज़गार के अवसर पैदा किए, और पर्यटन में सहायता प्रदान की। इसने बालिका शिक्षा , श्रमबल में महिलाओं की भागीदारी और गाँवों के सुदूरतम क्षेत्रों में समग्र जीवन शैली परिवर्तन को गति दी है। ये परिवर्तन "विकसित भारत" के व्यापक लक्ष्य में योगदान करते हुए एक समृद्ध और विकसित भारत बनाने की सरकार की दृष्टि के अनुरूप हैं।

*****

अनुबंध

लोक सभा में दिनांक 09.12.2025 को उत्तर दिए जाने के लिए नियत अतारांकित प्रश्न संख्या 1479 के भाग (ग) से (घ) के उत्तर में उल्लिखित अनुबंध

नई/हरित सतत प्रौद्योगिकी पहलों के तहत 1,67,102 किलोमीटर सड़क कार्यों को स्वीकृत किया गया है, और अब तक 1,28,604 किलोमीटर सड़क का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है।

तकनीक	स्वीकृत सड़क लंबाई किमी में	निर्मित सड़क लंबाई किमी में	मुख्यतः प्रयुक्त
अपशिष्ट प्लास्टिक	56905	45472	अंडमान और निकोबार , आंध्र प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, असम, बिहार, छत्तीसगढ़, गोवा गुजरात, हरियाणा, जम्मू और कश्मीर झारखंड कर्नाटक, केरल, लद्दाख, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, मणिपुर, ओडिशा, पुडुचेरी, पंजाब, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पश्चिम बंगाल
कोल्ड मिक्स	30399	25590	आंध्र प्रदेश , अरुणाचल प्रदेश, असम, बिहार, छत्तीसगढ़, हिमाचल प्रदेश, जम्मू और कश्मीर झारखंड कर्नाटक, केरल, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, मणिपुर, तमिलनाडु, उत्तराखंड, पश्चिम बंगाल
एफडीआर	10209	5200	अरुणाचल प्रदेश , असम, बिहार, हिमाचल प्रदेश, झारखंड, केरल, महाराष्ट्र, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड, ओडिशा, पंजाब, त्रिपुरा, उत्तर प्रदेश
पैनलयुक्त सीसी/व्हाइट टॉपिंग	8487	6008	छत्तीसगढ़, राजस्थान, अंडमान और निकोबार, आंध्र प्रदेश, असम, बिहार, हिमाचल प्रदेश, झारखंड, मध्य प्रदेश, ओडिशा, राजस्थान, तेलंगाना, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल
सेल फिल्ड कंक्रीट/ आईसीबीपी के साथ सेल फिल्ड कंक्रीट	3784	3326	असम, बिहार, छत्तीसगढ़, झारखंड, तेलंगाना, ओडिशा, मेघालय,

तकनीक	स्वीकृत सड़क लंबाई किमी में	निर्मित सड़क लंबाई किमी में	मुख्यतः प्रयुक्त
			राजस्थान, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल
कॉयर/जूट/जिओ टेक्सटाइल/	1865	1606	कर्नाटक, केरल, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल
लोहा/इस्पात/तांबा स्लैग/प्रसंस्कृत इस्पात स्लैग/ बजरी सहित स्लैग	1340	969	झारखंड, ओडिशा, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल
सतह ड्रेसिंग/एमएसडी	11466	8290	असम, बिहार, उत्तर प्रदेश, ओडिशा, तमिलनाडु, झारखंड
सीमेंट स्थिरीकरण/सीसीएस/अन्य	42647	32143	आंध्र प्रदेश , अरुणाचल प्रदेश, असम, बिहार, छत्तीसगढ़, झारखंड, मध्य प्रदेश, कर्नाटक, तेलंगाना, पश्चिम बंगाल
कुल	1,67,102	1,28,604	

नीचे दी गई तालिका में वर्तमान में उपयोग की जा रही नई/हरित प्रौद्योगिकी का ब्यौरा दिया गया है:

मुख्यतः प्रयुक्त तकनीक	स्वीकृत सड़क लंबाई (किमी में)	
फुल डेप्थ रेकलेमेशन (एफडीआर) तकनीक	5200	• 143.65 लाख टन एग्रीगेट की बचत हुई। • एग्रीगेट से भरे 21.80 लाख ट्रकों की संख्या कम हुई है।
सेल फिल्ड कंक्रीट	3326	
पैनलयुक्त सीमेंट कंक्रीट/सफेद टॉपिंग	6008	
जूट, कॉयर, जिओ-टेक्सटाइल	1606	• स्थानीय अर्थव्यवस्था और हरित प्रौद्योगिकी का उपयोग

मुख्यतः प्रयुक्त तकनीक	**स्वीकृत सड़क लंबाई (किमी में)**	
अपशिष्ट प्लास्टिक	45472	• पीएमजीएसवाई के तहत ग्रामीण सड़कों के निर्माण में 19,916 टन अपशिष्ट प्लास्टिक का उपयोग किया गया है और इस प्रकार 29,875 टन कार्बन डाई आक्साइड उत्सर्जन की बचत हुई है।
कोल्ड मिक्स तकनीक	25590	• स्थानीय स्थल में कार्बन डाई आक्साइड और प्रदूषकों उत्सर्जन को रोकता है।